NPPA
AFFORDABLE MEDICINES FOR ALL
सभी के लिए वहनीय दवाईयाँ

सत्यमेव जयते
राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण
औषध विभाग
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

औषध संदेश

वोल्यूम-XIX | अक्टूबर 2024
द्विमासिक ई–न्यूजलेटर

दवा वही
दाम सही

सभी के लिए दवाइयों तक पहुँच, उपलब्धता एवं वहनीयता के प्रति प्रतिबद्ध

विषय वस्तु

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	अध्यक्ष की कलम से	1
2.	फार्मा विशेषज्ञ द्वारा लेख	2
3.	विनियामक समाचार	6
4.	अंतर्राष्ट्रीय समाचार	10
5.	अन्य समाचार एवं घटनाक्रम	11
6.	अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न	20

एनपीपीए के बारे में...

रसायन और उर्वरक मंत्रालय, औषध विभाग में विशेषज्ञों के एक स्वतंत्र निकाय राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए), का गठन भारत सरकार द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित संकल्प सं. 159 दिनांक 29.08.97 द्वारा किया गया। एनपीपीए के कामकाज में, अन्य बातों के अलावा, औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डीपीसीओ) के तहत अनुसूचित फार्मूलों की कीमतों का निर्धारण तथा संशोधन के साथ ही कीमतों की निगरानी और प्रवर्तन शामिल है। एनपीपीए औषधि नीति और दवाइयों की वहनीयता, उपलब्धता और पहुंच से संबंधित मुद्दों पर सरकार को इनपुट्स भी प्रदान करता है।

प्राधिकरण एक बहु–सदस्यीय निकाय है जिसमें एक अध्यक्ष, एक सदस्य सचिव और तीन पदेन सदस्य हैं। तीन पदेन सदस्यों में से दो क्रमशः आर्थिक कार्य विभाग और व्यय विभाग से तथा भारत के औषधि महानियंत्रक तीसरे सदस्य हैं।

औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 (डीपीसीओ, 2013) आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (ईसी अधिनियम, 1955) के तहत 15.05.2013 के तहत अधिसूचित किया गया और यह राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण नीति (एनपीपीपी), 2012 के व्यापक दिशानिर्देशों पर आधारित है। एनपीपीपी–2012 के तीन मुख्य सिद्धांत निम्न प्रकार है

क. **दवाओं की अनिवार्यता:** दवाओं की कीमतों का विनियमन एनएलईएम–2011 के तहत दवाओं की अनिवार्यता के आधार पर होता है, का.आ. 5249 दिनांक 11.11.2022 द्वारा संषोधित एनएलईएम–2015 एवं एनएलईएम–2022 को डीपीसीओ 2013 की पहली अनुसूची के रूप में शामिल किया गया है।

ख. **केवल फॉर्म्युलेशन कीमतों का नियंत्रण:** केवल फॉर्मूलेशन की कीमतों को विनियमित करना, न कि बल्क ड्रग्स की कीमतें और ड्रग पॉलिसी 1994 में अपनाए गए परिणामी फॉर्मूलेशन की।

ग. **बाजार आधारित मूल्य निर्धारण:** दवाओं की अधिकतम कीमतें बाजार आधारित मूल्य निर्धारण (एमबीपी) पद्धति पर तय की जाती हैं।

संपादकीय मंडल

- डॉ. विनोद कोतवाल, सदस्य सचिव
- श्री संजय कुमार, सलाहकार
- श्री जी.एल. गुप्ता, निदेशक
- श्री पल्लव कुमार चितेज, उप निदेशक

अस्वीकरण:
यह एनपीपीए द्वारा औषधि उद्योग और एनपीपीए से संबंधित समसामयिक मामलों और घटनाओं की सूचना देने की एक पहल है। यह न्यूजलेटर विशुद्ध रूप से सूचनात्मक उद्देश्यों हेतु तैयार किया गया है और यह एनपीपीए की आधिकारिक नीति या पक्ष को नहीं दर्शाता है। इस न्यूजलेटर को किसी भी व्यावसायिक/आधिकारिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का इरादा नहीं है।

आप अपने सुझाव/प्रतिक्रिया monitoring.nppa@gov.in पर भी दे सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय की कलम से

सत्यमेव जयते

डॉ. अरुणीश चावला, भा.प्र.से.
अध्यक्ष
राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण
औषध विभाग
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
भारत सरकार

एनपीपीए के द्वि–मासिक ई–न्यूज़लैटर, औषध संदेश का उन्नीसवां अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। न्यूज़लैटर प्रकाशित करने का हमारा उद्देश्य अटल है – ऐसी जानकारी प्रसारित करना जो हमारे हितधारकों के विविध हितों को पूरा करती हो, जिससे दवा और मेड–टेक परिदृश्य के भीतर सूचित निर्णय लेने और सहयोग को बढ़ावा मिले।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि जीएस1 इंडिया के सीईओ श्री एस. स्वामीनाथन ने ''फार्मास्यूटिकल्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग'' शीर्षक एक व्यावहारिक लेख का योगदान दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अगली क्रांतिकारी शक्ति बनने के लिए तैयार है जिसे वर्तमान और भविष्य की परिभाषित तकनीक घोषित किया गया है। प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, लागत कम करने और रोगी परिणामों को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग (एमएल), प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी), और जनरेटिव एआई जैसी एआई तकनीकों को एकीकृत किया जा रहा है। मैं श्री स्वामीनाथन को उनके व्यावहारिक लेख के लिए अपना आभार व्यक्त करता हूं।

हमारी वेबिनार श्रृंखला के अनुक्रम में, 22 पीएमआरयू द्वारा अपने–अपने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों अर्थात पुदुच्चेरी, झारखंड, लद्दाख, महाराष्ट्र, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मेघालय, केरल, जम्मू और कश्मीर, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश, गोवा, गुजरात, केआईएचटी, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम, ओडिशा, राजस्थान पीएमआरयू में एक सौ सोलह (116) राज्य और जिला स्तरीय कार्यक्रम/सेमिनार आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देष्य लोगों को दवाओं को किफायती बनाने और सबके लिए उपलब्ध कराने में एनपीपीए की भूमिका के बारे में जागरूकता प्रदान करना, फार्मा सही दाम ऐप और आईपीडीएमएस 2.0 को बढ़ावा देना और उपयोग करना और पीएमआरयू के माध्यम से दवाओं की कीमतों की निगरानी करना था।

एनपीपीए ने सभी पीएमआरयू के साथ दिनांक 17.09.2024 से 02.10.2024 के दौरान स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं, जैसे कार्यालय में स्वच्छता शपथ, स्वच्छता पर निबंध/कविता प्रतियोगिता; वाईएमसीए के परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" के तहत लगभग 30 पेड़ लगाए गए। इसके अलावा, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर भी आयोजित किए गए जिसमें एनपीपीए और वाईएमसीए के परिसर में सफाई के लिए तैनात सफाई कर्मियों को एक बार इस्तेमाल होने वाले डिस्पोजेबल मल्टी यूज़ दस्ताने और नाक के मास्क वितरित किए गए।

हर साल की तरह इस साल भी राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के कार्यालय में सितंबर में हिंदी का प्रयोग/प्रचार पखवाड़ा और अक्टूबर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन के दौरान, विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एनपीपीए अपने सभी पाठकों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है; सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें।

शुभकामनाओं के साथ

(डॉ. अरुणीश चावला)

फार्मास्यूटिकल्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग

(लेखकः श्री एस. स्वामीनाथन, सीईओ, जीएस1 इंडिया)

//

एआई का अवलोकन और फार्मास्यूटिकल उद्योग में इसका महत्व

परिचय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नई क्रांतिकारी ताकत बनने की ओर अग्रसर है जिसे वर्तमान और भविष्य की परिभाषित तकनीक के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें हमारी जीवनशैली और व्यावसायिक प्रथाओं दोनों को मौलिक रूप से बदलने की क्षमता है। विभिन्न उद्योग क्षेत्र इससे अभूतपूर्व स्तर के उत्साह और आशावाद का अनुभव कर रहे हैं क्योंकि एआई का प्रभाव सभी क्षेत्रों में फैला हुआ है।

फार्मास्यूटिकल उद्योग में एआई औषधि विकास और वितरण के विभिन्न चरणों में दक्षता, सटीकता और नवाचार को बढ़ा रहा है। मशीन लर्निंग (एमएल), प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) और जेनरेटिव एआई जैसी एआई प्रौद्योगिकियों को प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, लागत कम करने और रोगी परिणामों में सुधार करने के लिए एकीकृत किया जा रहा है।

एआई औषधि की खोज में तेजी लाने, क्लिनिकल परीक्षणों को बढ़ाने और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को अनुकूलित करके फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। एआई संभावित औषधि उम्मीदवारों की तुरंत पहचान कर सकता है एवं परीक्षण परिणामों की भविष्यवाणी करके वास्तविक समय में रोगी की प्रतिक्रियाओं की निगरानी कर सकता है जिससे अधिक कुशल और सफल परीक्षण हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त एआई बेहतर प्रवृत्ति पूर्वानुमान और इन्वेंट्री प्रबंधन के लिए पूर्वानुमानित विश्लेषण में सुधार करता है। यह दस्तावेज़ीकरण और निगरानी प्रक्रियाओं को स्वचालित करके विनियामक अनुपालन भी सुनिश्चित करता है जिससे फार्मास्युटिकल उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।

फार्मास्युटिकल उद्योग में एआई का एकीकरण सिर्फ एक तकनीकी प्रगति नहीं है बल्कि एक रणनीतिक अनिवार्यता है जो स्वास्थ्य सेवा वितरण और रोगी देखभाल में बदलाव सुनिश्चित करती है। एआई का लाभ उठाकर, फार्मास्युटिकल कंपनियां दक्षता और रोगी परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार हासिल कर सकती हैं जो अंततः अधिक टिकाऊ और प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में योगदान कर सकता है।

ड्रग डिस्कवरी में एआई का अनुप्रयोग

दवा की खोज को कम सफलता दर के साथ एक महंगी और लंबी प्रक्रिया के रूप में पहचाना जाता है। एक नई दवा का विकास आम तौर पर एक दशक से अधिक समय तक चलता है। किसी दवा को क्लिनिकल परीक्षण से बाज़ार तक आने की सफलता दर उल्लेखनीय रूप से कम है। पिछले दशक में, एआई में प्रगति के कारण दवा खोज में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। इस क्षेत्र में एआई अनुप्रयोगों में वर्चुअल स्क्रीनिंग, डे नोवो ड्रग डिज़ाइन, रेट्रोसिंथेसिस, रिएक्शन प्रेडिक्शन और डे नोवो प्रोटीन डिज़ाइन शामिल हैं जिन्हें पूर्वानुमानित और जेनरेटिव कार्यों में वर्गीकृत किया जा सकता है। दवा खोज में एआई का एकीकरण दवा कंपनियों को नए चिकित्सीय लक्ष्य खोजने और नवीन उपचार विकसित करने की अनुमति देता है जो पहले अकल्पनीय थे।

क्लिनिकल परीक्षणों में एआई का उपयोग

एआई क्लिनिकल परीक्षणों की उत्पादकता और प्रभावशीलता को बढ़ाकर उन्हें बदल रहा है। एआई परिणामों की भविष्यवाणी करके और सबसे उपयुक्त खुराक और रोगी संख्या की पहचान करके परीक्षण डिजाइन को अनुकूलित करता है। एआई योग्य प्रतिभागियों की पहचान करने के लिए मेडिकल रिकॉर्ड और सोशल मीडिया डेटा का तेजी से विश्लेषण करके रोगी भर्ती को बढ़ाता है। नैदानिक परीक्षणों के दौरान, एआई रोगी डेटा की वास्तविक समय की निगरानी प्रदान करता है जिससे समय पर समायोजन और बेहतर समग्र परीक्षण प्रबंधन की अनुमति मिलती है। इसके अतिरिक्त, एआई डेटा विश्लेषण को स्वचालित करता है जिससे परिणामों की व्याख्या करने में लगने वाला समय कम हो जाता है और निष्कर्षों की सटीकता बढ़ जाती है।

ये प्रगति सफल परिणामों की संभावना को भी बढ़ाती है और अंततः सुरक्षित और अधिक प्रभावी चिकित्सीय समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

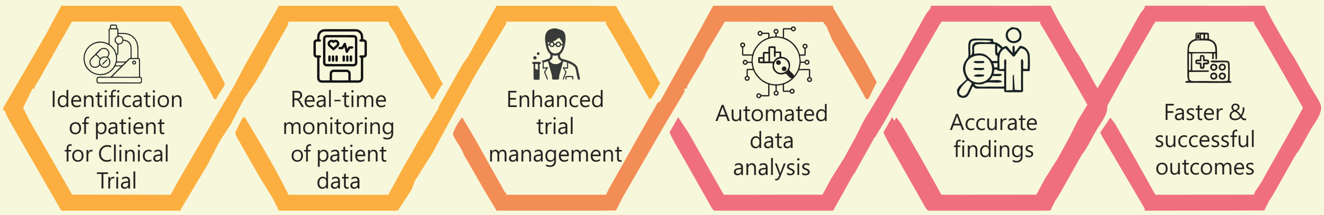

एआई के माध्यम से उत्पादन प्रक्रियाओं और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता को बढ़ाना

एआई संचालन को अनुकूलित करके तथा निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाकर फार्मास्युटिकल उद्योग में उत्पादन प्रक्रियाओं और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बदल रहा है। वास्तविक समय में बड़े डेटासेट का विश्लेषण करके एआई मांग की भविष्यवाणी कर सकता है एवं इन्वेंट्री का प्रबंधन करने के साथ लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित कर सकता है जिससे अधिक कुशल उत्पादन कार्यक्रम, कम अपशिष्ट और समय पर उत्पाद वितरण हो सकता है। यह तकनीक आपूर्ति श्रृंखला की दृश्यता को भी बढ़ाती है जिससे कंपनियों को बाधा और अक्षमताओं को शीघ्रता से निपटाने में मदद मिलती है। एआई का लाभ उठाने से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होती है जिससे आवश्यक दवाओं को बनाए रखने हेतु एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनती है।

उद्योग द्वारा एआई के कार्यान्वयन के वास्तविक विश्व उपयोग के मामले

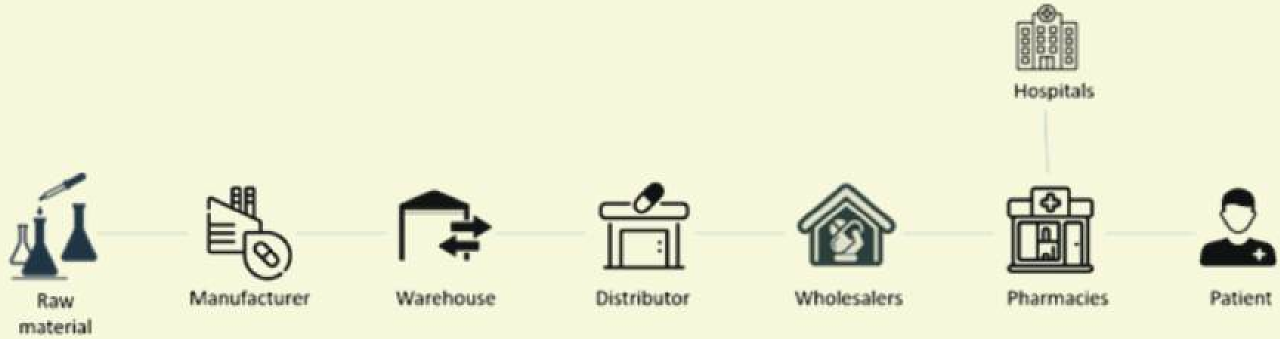

वास्तविक दुनिया के ऐसे कार्यान्वयन हैं जो फार्मास्युटिकल उद्योग में दवा विकास, सुरक्षा और रोगी देखभाल में सुधार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करते हैं। एआई एकीकरण के माध्यम से प्राप्त व्यावहारिक लाभ स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को आगे बढ़ाने में इसके महत्व को रेखांकित करते हैं।

रसायन विज्ञान के लिए 2024 का नोबेल पुरस्कार डेविड बेकर, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, वाशिंगटन, डेमिसहसाबिस और गूगल डीपमाइंड, लंदन यूके के जॉन एम. जम्पर को प्रदान किया गया है। डेविड बेकर पूरी तरह से नए प्रकार के प्रोटीन के निर्माण की लगभग असंभव उपलब्धि को हासिल करने में सफल हुए हैं। डेमिस हसाबिस और जॉन जंपर ने 50 साल पुरानी समस्या को हल करने के लिए एक एआई मॉडलः प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी करना विकसित किया है।

एक अन्य उल्लेखनीय उदाहरण में, डीएसपी—1181 नामक दवा को एआई का उपयोग करके केवल 12 महीनों में विकसित किया गया था जबकि पारंपरिक तरीकों के लिए आवश्यक 4.5 वर्ष की आवश्यकता होती है। यह समय में 75 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्शाता है। डीएसपी—1181, जिसकी वर्तमान में जुनूनी—बाध्यकारी विकार (ओसीडी) के इलाज के रूप में जांच की जा रही है, पूरी तरह से एआई द्वारा बनाया गया है और यह नैदानिक परीक्षणों में प्रवेश कर चुका है। यह दवा की खोज में तेजी लाने और नए उपचारों को तेजी से बाजार में लाने की एआई की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

एक अन्य उदाहरण में 2018 में "प्लाई" नामक एआई प्लेटफॉर्म का विकास शामिल है। यह प्लेटफॉर्म दवा विकास प्रक्रिया में निर्णय लेने में सहायता के लिए आंतरिक डेटा एकत्र करता है जिससे नई दवाओं की अधिक कुशल खोज और विकास होता है।

इसके अतिरिक्त, सूचना प्रौद्योगिकी और इनोवेशन फाउंडेशन (आईटीआईएफ) की एक रिपोर्ट बताती है कि पारंपरिक तरीकों की तुलना में एआई नई दवाओं के संश्लेषण और स्क्रीनिंग में लगने वाले समय को 40—50 प्रतिशत तक कम कर सकता है। समय कटौती से फार्मास्युटिकल कंपनियों को अनुसंधान लागत में सालाना 26 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है।

उभरते रुझान और भविष्य के अनुप्रयोग

फार्मास्युटिकल उद्योग एआई के अनुप्रयोग में कई उभरते रुझान देख रहा है जो इसके भविष्य को नया आकार देना सुनिश्चित करता है। यह महत्वपूर्ण प्रवृत्ति जटिल जैविक डेटा का विश्लेषण करने के लिए मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग का बढ़ता उपयोग है जिससे दवा की खोज और विकास में अधिक सटीक भविष्यवाणियां हो रही हैं। इन तकनीकों का उपयोग बेहतर चिकित्सा, व्यक्तिगत रोगियों के लिए उनके आनुवंशिक प्रोफाइल और अन्य व्यक्तिगत डेटा के आधार पर उपचार तैयार करने के लिए भी किया जा रहा है।

एक और उभरती हुई प्रवृत्ति फार्मास्युटिकल मूल्य श्रृंखला में निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े डेटा एनालिटिक्स के साथ एआई का एकीकरण है। इसमें क्लिनिकल परीक्षण डिज़ाइन को अनुकूलित करना, रोगी की प्रतिक्रियाओं की भविष्यवाणी करना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक कुशलता से प्रबंधित करना शामिल है।

भविष्य में फार्मास्यूटिकल्स में एआई का अनुप्रयोग बहुत व्यापक हैं। उम्मीद है कि डेटा प्रविष्टि और विश्लेषण जैसे नियमित कार्यों को स्वचालित करने, अधिक रणनीतिक गतिविधियों के लिए मानव संसाधनों को मुक्त करने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एआई—संचालित डायग्नोस्टिक टूल के विकास से बीमारी का जल्दी और अधिक सटीक पता लगाने में मदद मिलेगी जिससे रोगी के परिणामों में सुधार होगा।

जैसे—जैसे एआई का विकास जारी रहेगा फार्मास्युटिकल उद्योग में इसके अनुप्रयोगों का विस्तार होगा जिससे स्वास्थ्य देखभाल वितरण और रोगी देखभाल को बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे।

निष्कर्ष

फार्मास्युटिकल उद्योग में एआई का एकीकरण नवाचार और दक्षता के एक नए युग की शुरुआत कर रहा है। एआई दवा की खोज से लेकर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तक उद्योग के हर पहलू को बदल रहा है। एआई न केवल लागत कम करता है और रोगी के परिणामों में सुधार करता है बल्कि बाजार में नए उपचार लाने में भी तेजी लाता है।

व्यक्तिगत चिकित्सा और डिजिटल चिकित्सा विज्ञान में इसकी भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। एआई की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए नैतिक और जिम्मेदार प्रथाओं के साथ—साथ प्रतिभा, डेटा और नवाचार में रणनीतिक निवेश आवश्यक है। जैसे—जैसे एआई विकसित

होगा यह स्वास्थ्य देखभाल वितरण और रोगी देखभाल को बढ़ाना जारी रखेगा और अंततः यह एक अधिक प्रभावी और टिकाऊ स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में योगदान देगा।

संदर्भ

- https://www.mckinsey.com/industries/life-sciences/our-insights/generative-ai-in-the-pharmaceutical-industry-moving-from-hype-to-reality
- https://www2.deloitte.com/us/en/insights/industry/life-sciences/rise-of-artificial-intelligence-in-biopharma-industry.html
- https://www.fda.gov/drugs/news-events-human-drugs/role-artificial-intelligence-clinical-trial-design-and-research-dr-elzarrad
- https://www.forbes.com/councils/forbescoachescouncil/2023/08/10/embracing-the-ai-revolution-a-guide-for-industry-leaders/
- https://www.fda.gov/drugs/news-events-human-drugs/role-artificial-intelligence-clinical-trial-design-and-research-dr-elzarrad
- https://www.gartner.com/en/articles/generative-ai-use-cases
- https://academic.oup.com/bib/article/23/1/bbab430/6420092
- https://www.nobelprize.org/prizes/chemistry/2024/press-release/

विनियामक समाचार

औषधियों के मूल्य से संबंधित समाचार

1. 926 फॉर्मूलेशन की अधिकतम कीमतें उस तारीख से प्रभावी हैं जिनमें से 742 अनुसूचित फॉर्मूलेशन के लिए अधिकतम कीमतें आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची, 2022 के तहत निम्नानुसार तय/पुनर्निर्धारित की गई हैं:

चिकित्सकीय श्रेणी	औषधियों की सं.	फॉर्मूलेशन की सं.
संक्रमणरोधी औषधियाँ	62	169
कैंसररोधी औषधियाँ	59	119
तंत्रिका विकार औषधियाँ	18	59
मनोरोग विकार औषधियाँ	14	41
हृदय विकार औषधियाँ	25	59
एचआईवी प्रबंधन औषधियाँ	20	23
एनाल्जेसिक, ज्वरनाशक, गैर–स्टेरायडल सूजनरोधी औषधियाँ (एनएसएआईडी)	11	24
मधुमेहरोधी औषधियाँ	8	11
हार्मोन, अन्य अंतःस्रावी औषधियाँ और गर्भनिरोधक	16	33
अन्य	106	204
अनोखी औषधियाँ/फॉर्मूलेशन	321*	742

*कुछ औषधियाँ विभिन्न अनुभागों में सूचीबद्ध हैं। औषधियों को दोनों वर्गों में गिना जाता है लेकिन फॉर्मूलेशन को किसी एक अनुभाग में केवल एक बार गिना जाता है।

2. 4 नवंबर 2024 तक डीपीसीओ, 2013 के तहत 3046 (लगभग) नई दवाओं के लिए खुदरा कीमतें तय की गई हैं। 4 नवंबर तक, 259 प्राधिकरण बैठकें आयोजित की गई हैं जिनमें से 127 डीपीसीओ 2013 के तहत आयोजित की गई हैं। वर्तमान में बैठकों का विवरण नीचे दिया गया है:

बैठक सं.	आयोजन तिथि	खुदरा मूल्य अनुमोदित एवं अधिसूचित
डीपीसीओ 2013 के तहत 258वीं (समग्र) एवं 126वीं बैठक	09.09.2024	(i) एस.ओ. 3867(ई) दिनांक 10.09.2024. के माध्यम से 62 फॉर्मूलेशन के लिए खुदरा कीमतें अधिसूचित की गई। (ii) डीओपी के समीक्षा आदेश, 31015/30/2023– मूल्य निर्धारण दिनांक 28.05.2024 के आधार पर औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के तहत 1 अनुसूचित फॉर्मूलेशन क्लोरोक्वीन टैबलेट 150 मिलीग्राम की अधिकतम कीमत में संशोधन 1.17 रुपये से 1.33 प्रति टैबलेट। कीमत एसओ 3868 (ई) दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से अधिसूचित की गई है
डीपीसीओ 2013 के तहत 259वीं (समग्र) एवं 127वीं बैठक	08.10.2024	(i) एस.ओ. 4497(ई) दिनांक 14.10.2024. के माध्यम से 20 फॉर्मूलेशन के लिए खुदरा कीमतें अधिसूचित की गई।

3. 126वीं और 127वीं प्राधिकरण बैठकों में लिए गए निर्णय के आधार पर विभिन्न फॉर्मूलेशन के लिए अधिसूचित खुदरा कीमतों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	चिकित्सकीय समूह	कुल संख्या	फॉर्मूलेशन का प्रकार	खुदरा मूल्य निर्धारित सीमा (रु.) (जीएसटी छोड़कर) प्रति टेबलेट/प्रति एमएल
(1)	(2)	(3)	(4)	(4)
1	मधुमेह रोधी	23	टेबलेट	11.05 – 20.33
2	एनाल्जेसिक और सूजन रोधी	7	टेबलेट/इंजेक्शन/सस्पेंशन	0.50 – 28.70
3	बैक्टीरिया रोधी	9	आई ड्रॉप/टेबलेट	5.24 – 166.73
4	उच्च रक्तचाप रोधी	6	टेबलेट	9.65 – 14.85
5	कार्डियोवास्कुलर	13	टेबलेट/कैप्सूल	2.54 – 14.73
6	विटामिन/खनिज/पोषक तत्व	1	टेबलेट	10.00
7	संक्रामक रोग रोधी	7	टेबलेट/इंफ्यूजन/ आई ड्रॉप्स/गार्गल	1.51 – 161.10
8	अन्य	16	टैबलेट/कैप्सूल/एनीमा/ सस्पेंशन/रेस्पिरेटर सॉल्यूशन	0.95 – 28.76

4. कैंसर रोधी दवाओं के संबंध में कस्टम ड्यूटी और अधिसूचना संख्या 05/2024 दिनांक 08.10.2024 के माध्यम से इन दवाओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के संबंध में एनपीपीए ने ओ.एम. दिनांक 28.10.2024 जारी कर विनिर्माताओं को इनसे छूट के संबंध में दिनांक 23.07.2024 की सरकारी अधिसूचना 30/2024 के परिणामस्वरूप तीन कैंसर रोधी दवाओं नामतः ट्रैस्टुज़ुमैब, ओसिमर्टिनिब और ड्यूरवालुमैब के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को कम करने का निर्देश दिया है।

5. हाल ही में, फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने अक्टूबर 2024 माह में 28 समीक्षा आदेश जारी किए हैं जिनमें से 20 समीक्षा आदेशों में डीओपी द्वारा एनपीपीए के निर्णय को बरकरार रखा गया है।

चिकित्सा उपकरणों से संबंधित समाचार

एनपीपीए ने एस.ओ. 4078(ई) दिनांक 15 सितंबर 2023 के माध्यम से 15 सितंबर 2024 तक घुटना रिप्लेसमेंट सिस्टम के लिए आर्थोपेडिक घुटना प्रत्यारोपण की अधिकतम कीमतों के निर्धारण/संशोधन के संबंध में डीपीसीओ, 2013 के पैरा 19 के तहत अधिसूचना जारी की। एस.ओ. 3869(ई) दिनांक 10.09.2024 के अनुसार इसे 15 सितंबर 2025 तक आगे बढ़ा दिया गया है।

आईपीडीएमएस 2.0:

इंटीग्रेटेड फार्मास्युटिकल डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीडीएमएस) एक इंटीग्रेटेड रिस्पॉन्सिव क्लाउड–आधारित एप्लिकेशन है। यह देश में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और वहनीयता सुनिश्चित करने के लिए दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कीमतों की निगरानी तथा विनियमन के लिए ऑनलाइन सूचना संग्रह, प्रसंस्करण और संचार पोर्टल की एक प्रणाली है। उन्नत आईपीडीएमएस 2.0 को 29 अगस्त, 2022 को प्रारंभ किया गया था और नीचे दिए गए चार्ट जनवरी से अक्टूबर 2024 तक के आंकड़ों को दर्शाते हैं:

चार्ट 1: अक्टूबर 2024 की समाप्ति पर कुल पंजीकृत कंपनियों की संख्या

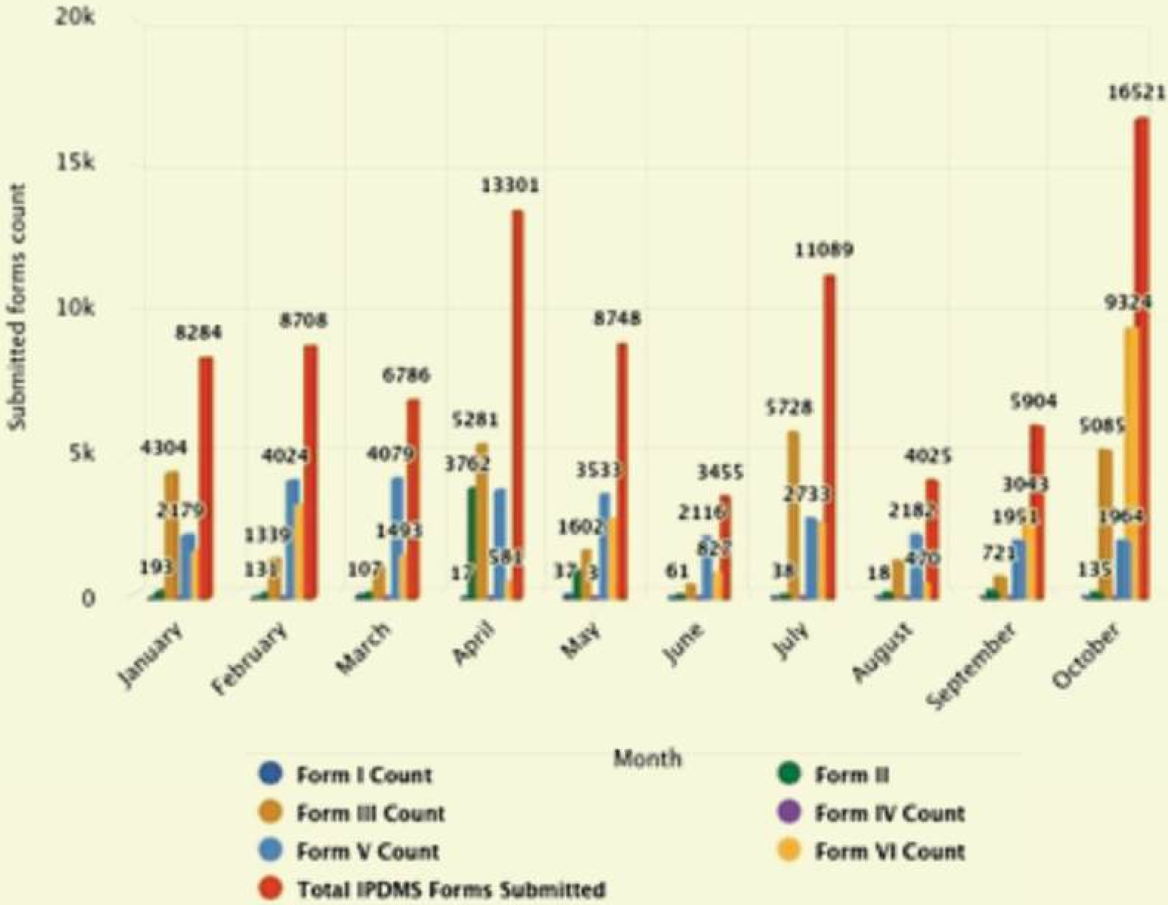

चार्ट 2: 31 अक्टूबर 2024 तक आईपीडीएमएस पर दाखिल सांविधिक फार्म की संख्या

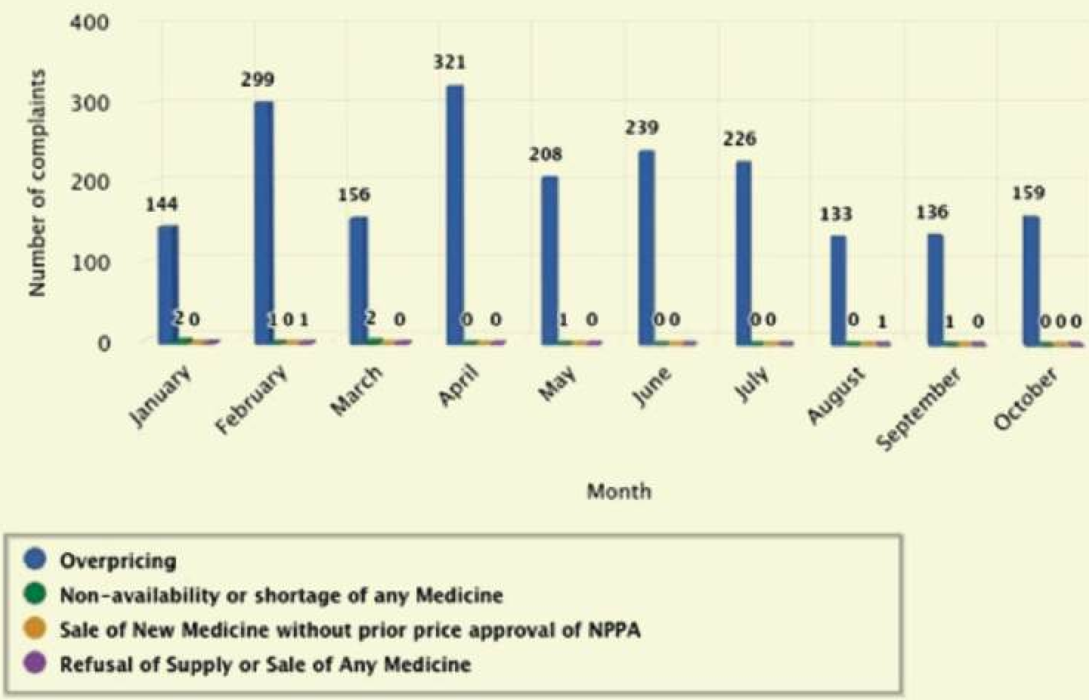

चार्ट 3: आईपीडीएमएस / फार्मा जन समाधान पर प्राप्त शिकायतों की संख्या

चार्ट 4: फार्मा सही दाम एप डाउनलोड की संख्या

चार्ट 5: आईपीडीएमएस 2.0 में यूजर लॉगिन की संख्या

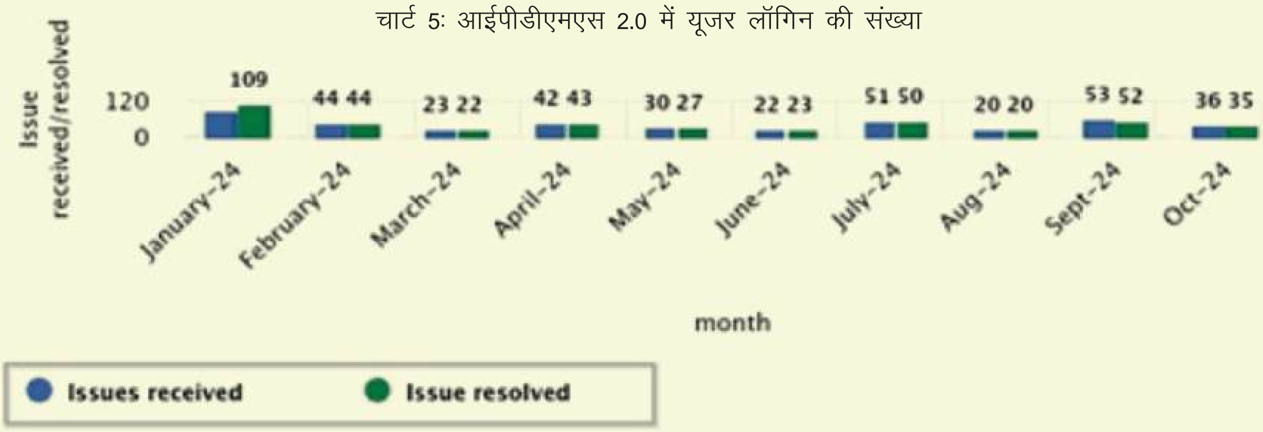

चार्ट 6: आईपीडीएमएस हेल्पडेस्क पर उठाए गए/समाधान किए गए टिकटों की संख्या

अंतरराष्ट्रीय समाचार

एफडीए ने वर्तमान में प्रसारित वेरिएंट के खिलाफ बेहतर सुरक्षा के लिए अपडेटेड नोवावैक्स कोविड–19 वैक्सीन को अधिकृत किया (30 अगस्त, 2024)

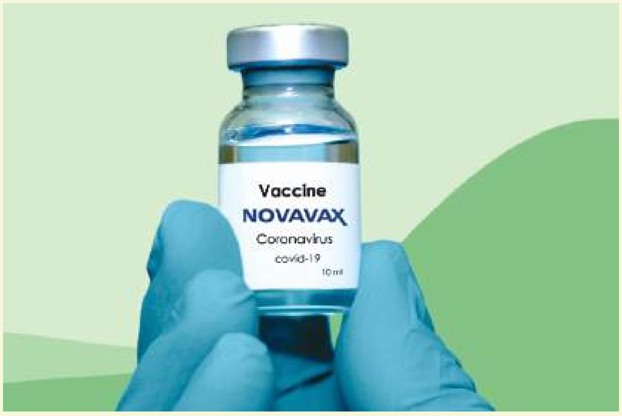

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने नोवावैक्स कोविड–19 वैक्सीन के एक अपडेटेड वर्जन के लिए आपातकालीन उपयोग अधिकृत (ईयूए) की अनुमति दी है जो अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु सहित कोविड–19 के गंभीर परिणामों के खिलाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए वर्तमान में प्रसारित वेरिएंट को अधिक बारीकी से लक्षित करता है। अपडेटेड टीका 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों में उपयोग के लिए अधिकृत है। इसमें एक मोनोवैलेंट (एकल) घटक शामिल है जो सार्स–कोव–2 के ओमिक्रॉन वैरिएंट जेएन. 1 स्ट्रेन से मेल खाता है।

(और पढ़ें)

एफडीए ने नीमन–पिक रोग, टाइप सी के लिए प्राथमिक उपचार को मंजूरी दी (20 सितंबर, 2024)

यूएसएफडीए ने नीमन–पिक रोग, टाइप सी (एनपीसी) के इलाज के लिए एक मौखिक दवा मिप्लीफा (एरिमोक्लोमोल) को मंजूरी दी है। एंजाइम अवरोधक मिग्लस्टैट के साथ संयोजन में मिप्लिफ़ा को वयस्कों और 2 वर्ष एवं उससे अधिक उम्र के बच्चों में एनपीसी से जुड़े न्यूरोलॉजिकल लक्षणों के इलाज के लिए अनुमोदित किया गया है। एनपीसी के इलाज के लिए मिप्लीफा एफडीए द्वारा अनुमोदित पहली दवा है। एनपीसी एक दुर्लभ आनुवांशिक बीमारी है जिसके परिणामस्वरूप प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल लक्षण और अंग शिथिलता होती है। यह एनपीसी1 या एनपीसी2 जीन में परिवर्तन के कारण होता है जो कोशिका के भीतर कोलेस्ट्रॉल और अन्य लिपिड के आवश्यक परिवहन को प्रभावित करता है। परिणामस्वरूप, ये कोशिकाएँ उस तरह काम नहीं करतीं जैसा उन्हें करना चाहिए और अंततः अंग क्षति का कारण बनती हैं। औसतन, इस विनाशकारी बीमारी से प्रभावित व्यक्ति लगभग 13 वर्ष तक ही जीवित रहते हैं।

(और पढ़ें)

एफडीए ने स्वयं या देखभालकर्ता के लिए नेज़ल स्प्रे इन्फ्लूएंजा वैक्सीन –एडमिनिस्ट्रेशन फर्स्ट इन्फ्लूएंजा वैक्सीन जिसे स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता द्वारा प्रशासित करने की आवश्यकता नहीं है, को मंजूरी दी है, सितंबर 20, 2024)

यू.एस.एफडीए ने स्वयं या देखभालकर्ता–एडमिनिस्ट्रेशन के लिए फ़्लुमिस्ट को मंजूरी दी। फ़्लुमिस्ट को 2 से 49 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में इन्फ्लूएंजा वायरस सबटाइप ए और बी के कारण होने वाले इन्फ्लूएंजा रोग की रोकथाम के लिए अनुमोदित किया गया है। फ़्लुमिस्ट को नाक में स्प्रे किया जाता है और कई वर्षों से इसका उपयोग सुरक्षित और प्रभावी ढंग से किया जाता रहा है। शुरुआत में इसे एफडीए द्वारा 2003 में 5 से 49 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया था और 2007 में एफडीए ने 2 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों को शामिल करने के लिए फ़्लुमिस्ट के उपयोग को मंजूरी दी थी। यह इन्फ्लूएंजा, जिसे आमतौर पर फ्लू के नाम से जाना जाता है, को रोकने के लिए पहला टीका है जिसे स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता द्वारा प्रशासित करने की आवश्यकता नहीं है। एफडीए ने वर्तमान में प्रसारित वेरिएंट के खिलाफ बेहतर सुरक्षा के लिए अद्यतन एमआरएनए कोविड–19 टीकों को मंजूरी और अधिकृत किया है

(और पढ़ें)

हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

पिछले वर्षों के समान ही, वर्ष 2024 के सितंबर माह के दौरान राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण में हिंदी दिवस एवं हिंदी प्रोत्साहन पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा आयोजन में हिंदी निबंध, हिंदी अंग्रेजी अनुवाद, टिप्पण प्रारूपण, स्वरचित कविता पाठ एवं आशु-भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यालय के कार्मिकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और पुरस्कार भी प्राप्त किए। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान सफाई और स्वच्छता का गांधीवादी दर्शन हमारे दैनिक जीवन में क्यों महत्वपूर्ण है? के विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजित किया गया तथा प्रयोग के तौर पर आशु-भाषण प्रतियोगिता को शामिल किया गया, जिसमें ज्वलंत एवं समसामयिक मुद्दों पर प्रतिभागियों को अपने विचार प्रकट करने का अवसर प्राप्त हुआ। इससे कार्यालय के सदस्यों कि प्रतिभाएं भी उजागर हुईं और उनकी सक्रिय भागीदारी भी रही जिससे कार्यालय में जीवंतता का अनुभव हुआ।

पुरस्कार विजेताओं को हिंदी प्रोत्साहन पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर सदस्य सचिव महोदया के द्वारा पुरस्कार राशि और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सदस्य सचिव महोदया ने इस अवसर पर लोगों को अपने दैनिक कार्य में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया और धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह को समाप्त किया गया।

अन्य समाचार एवं घटनाक्रम

स्वच्छता पखवाड़ा

1–15 की अवधि के दौरान, स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया और विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए गए।

स्वच्छता ही सेवाः

एनपीपीए ने सभी पीएमआरयू के साथ 17.9.24 से 02.10.24 के दौरान स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में भाग लिया और कार्यालय में स्वच्छता प्रतिज्ञा जैसी विभिन्न गतिविधियाँ जैसे सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक सेल्फी प्वाइंट की स्थापना; स्वच्छता पर निबंध/कविता प्रतियोगिता; वाईएमसीए के परिसर में ”एक पेड़ माँ के नाम” के तहत लगभग 30 पेड़ों का रोपण किया गया और सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों का आयोजन किया गया।

विशेष अभियान 4.0

एनपीपीए ने 02.10.24 से 31.10.24 के दौरान विशेष अभियान 4.0 में भाग लिया और 1418 फाइलों (भौतिक/ईफाइल) की समीक्षा करते हुए विभिन्न गतिविधियाँ जैसे स्थायी रूप से बंद करने/हटाने के लिए फाइलों (258) की पहचान; पीएमआरयू (29) में कार्यालय परिसर और बाहरी साइटों के भीतर सफाई स्थलों और निपटान आदि के लिए स्क्रैप की पहचान आदि कार्यकलाप किए।

इंडिया हेल्थकेयर सम्मेलन में भागीदारी 'हेल्थकेयर के भविष्य को नेविगेट करनाः – दृष्टि से वास्तविकता तक'

सदस्य सचिव, एनपीपीए ने गुरुवार, 19 सितम्बर 2024 को जीएस1 इंडिया हेल्थकेयर सम्मेलन 'हेल्थकेयर के भविष्य को नेविगेट करनाः दृष्टि से वास्तविकता तक' में भाग लिया और मुख्य भाषण दिया।

औषधि नियामक प्राधिकरणों (आईसीडीआरए) के 19वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारीः

एनपीपीए ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा यशोभूमि, दिल्ली में 14–15 अक्टूबर को आयोजित औषधि नियामक प्राधिकरणों (आईसीडीआरए) के 19वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रदर्शनी में भाग लिया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 194 से अधिक डब्ल्यूएचओ सदस्य देशों के नियामक अधिकारियों, नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य अधिकारियों को एक मंच पर लाया। विभिन्न देशों के नियामकों, निर्माताओं, राज्य दवा नियंत्रकों, निर्माताओं, विपणक, छात्रों, शोधकर्ताओं और समाचार मीडिया से लगभग 100 प्रतिनिधियों ने एनपीपीए स्टॉल का दौरा किया।

अन्य समाचार एवं घटनाक्रम

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताहः सदस्य सचिव ने 30.10.2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2024 के दौरान एनपीपीए के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के संबंध में सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई।

क. राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मूल्य निगरानी और संसाधन इकाइयों के लिए वेबिनार

राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में मूल्य निगरानी और संसाधन इकाइयों के लिए पीएमआरयू डिवीजन द्वारा इंटरैक्टिव वेबिनार का आयोजन निम्नानुसार किया गया :

दिनांक 20.09.2024 को आईपीडीएमएस 2.0 के माध्यम से ओवरचार्जिंग मामलों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को उचित रूप से प्रस्तुत करने पर एक वेबिनार का आयोजन

उपरोक्त वेबिनार का मुख्य उद्देश्य आईपीडीएमएस 2.0 की सहायता से पीएमआरयू द्वारा की जाने वाली गतिविधियों से संबंधित दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के संबंध में जानकारी प्रदान करना था।

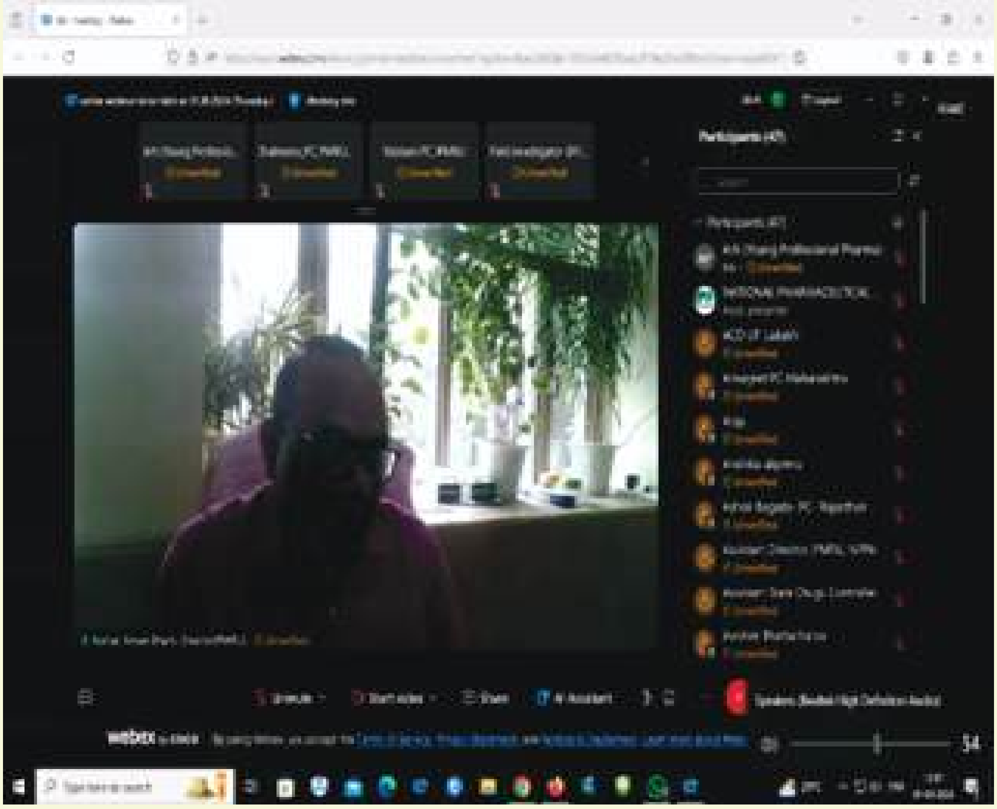

अन्य समाचार एवं घटनाक्रम

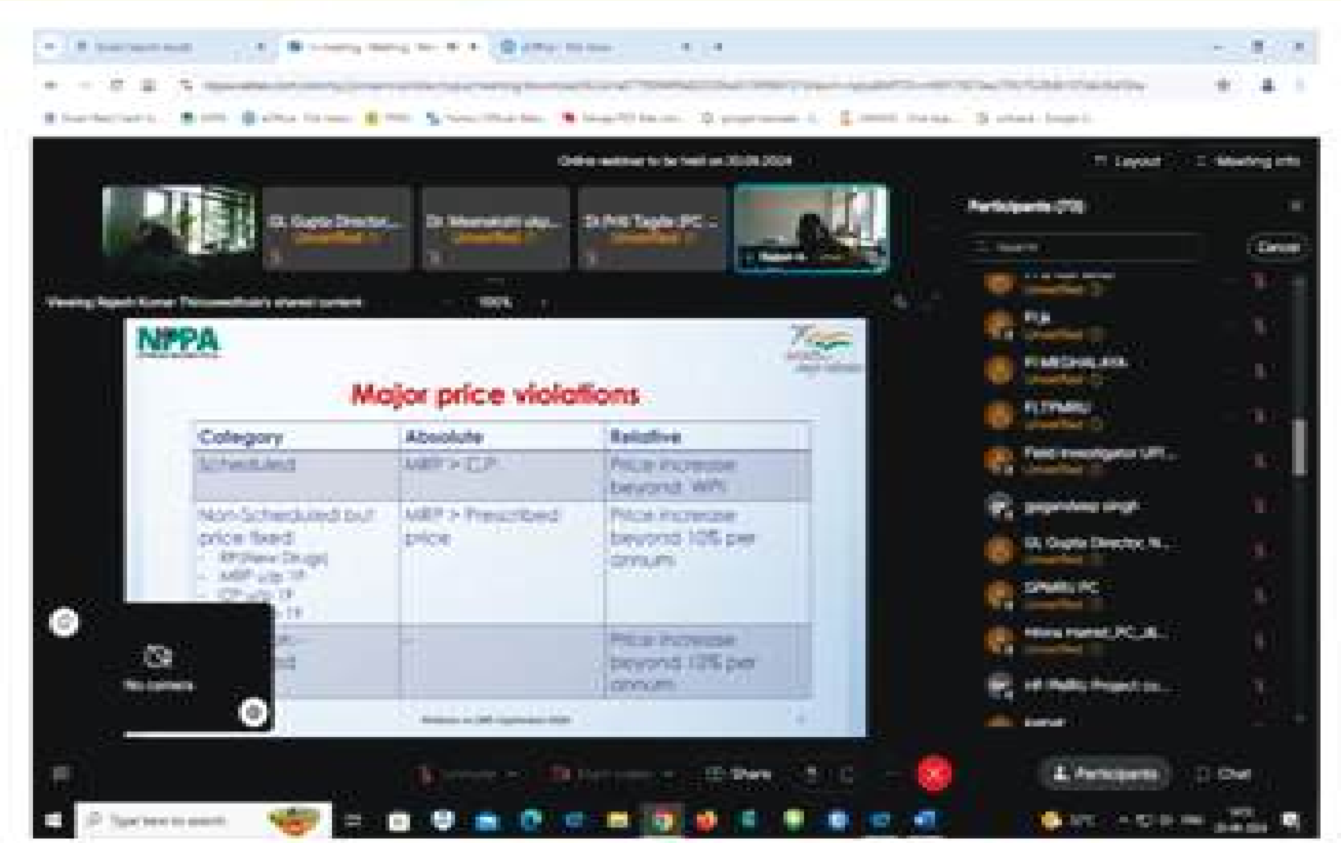

ख. पीएमआरयू द्वारा आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियाँ

22 पीएमआरयू द्वारा अपने संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों यथा पुडुचेरी, झारखंड, लद्दाख, महाराष्ट्र, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मेघालय, केरल, जम्मू और कश्मीर, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश, गोवा, गुजरात, केआईएचटी, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम, ओडिशा, राजस्थान पीएमआरय में एक सौ सोलह (116) आईईसी गतिविधियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों के बीच दवाओं को किफायती और सभी के लिए उपलब्ध कराने में एनपीपीए की भूमिका, फार्मा सही दाम ऐप और आईपीडीएमएस 2.0 के प्रचार और उपयोग, पीएमआरयू के माध्यम से दवाओं की कीमतों की निगरानी के बारे में जागरूकता प्रदान करना था।

ख.1 स्वच्छता पखवाड़ा 2024 – 01 सितंबर 2024 से 15 सितंबर 2024 तक।

ख.2 स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 (एसएचएस, 2024) – 17 सितंबर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 तक।

पीएमआरयू ने 'स्वच्छता को हर किसी का व्यवसाय' बनाने पर जोर देते हुए स्वच्छता अभियान में भाग लिया। बड़े पैमाने पर लोगों की भागीदारी के साथ–साथ स्वच्छता गतिविधियों को सुनिश्चित करने के लिए पीएमआरयू ने अपने संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्वच्छता अभियान चलाया।

गतिविधियों की प्रमुख झलक इस प्रकार है:

पीएमआरयू मध्य प्रदेश:

सफाई मित्र सुरक्षा शिविर

पीएमआरयू त्रिपुराः

अन्य समाचार एवं घटनाक्रम

पीएमआरयू लद्दाखः

पीएमआरयू जम्मू एवं कश्मीरः

ओवरचार्जिंग मामलों की निगरानीः

पीएमआरयू अपने संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अनुसूचित और गैर–अनुसूचित फॉर्मूलेशन की कीमतों की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पंद्रह (15) पीएमआरयू ने सितंबर और अक्टूबर 2024 के दौरान आईपीडीएमएस 2.0 के माध्यम से दो सौ पंद्रह (215) संभावित उल्लंघन मामलों की सूचना दी है।

(प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्न)

दवाओं के मूल्य विनियमन में एनपीपीए की क्या भूमिका है?

उत्तर: एनपीपीए डीपीसीओ, 2013 की अनुसूची–1 के तहत अधिसूचित सभी दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित है और मूल्य रुझानों की निगरानी करता है ताकि दवाएं सस्ती रहें।

"अधिकतम कीमत" क्या है?

उत्तर: आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के तहत शामिल अनुसूचित फॉर्मूलेशन की अधिकतम कीमत पैरा 4 के तहत तय की गई है और डीपीसीओ 2013 के पैरा 16 के तहत संशोधित की गई है। ऐसे मामलों में एमआरपी अधिकतम कीमत और लागू कर है।

क्या गैर–अनुसूचित दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने में एनपीपीए की कोई भूमिका है?

उत्तर: सरकार गैर–अनुसूचित फॉर्मूलेशन सहित सभी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की निगरानी करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी निर्माता पिछले बारह महीनों के दौरान अधिकतम खुदरा मूल्य के दस प्रतिशत से अधिक दवा की एमआरपी न बढ़ाए और कोई भी निर्माता प्रावधानों का उल्लंघन न करे। अधिक वसूली गई राशि ब्याज सहित जमा करने के लिए उत्तरदायी है। (डीपीसीओ 2013 का पैरा 20)

क्या निर्माताओं को आवश्यक दवाओं का निर्माण बंद करने से पहले सरकार की अनुमति लेनी होगी?

उत्तर: डीपीसीओ, 2013 के पैराग्राफ 21 के अनुसार निर्माताओं को आवश्यक दवाओं का निर्माण बंद करने से पहले सरकार की अनुमति लेनी होगी।

दवाओं की कीमत, कमी और अनुपलब्धता से संबंधित शिकायत निवारण तंत्र क्या है?

उत्तर: फार्मा जन समाधान (पीजेएस) उपभोक्ताओं को दवाओं की कीमत, कमी और अनुपलब्धता से संबंधित शिकायतों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक प्रभावी और समयबद्ध शिकायत निवारण प्रणाली प्रदान करता है। इंटरनेट आधारित ऑनलाइन सुविधा के अलावा, एक उपभोक्ता हेल्प लाइन भी है जिसका उपयोग शिकायत दर्ज करने के लिए किया जा सकता है।

क्या दवा की प्रमाणित एमआरपी जांचने के लिए कोई टूल है?

उत्तर: हाँ. 'फार्मा सही दाम' एक ऑनलाइन सर्च टूल है जिसके माध्यम से अनुसूचित/गैर–अनुसूचित दवाओं की कीमतों की तुरंत जांच की जा सकती है।

प्रतिक्रिया और शिकायत निवारण

शिकायत निवारण

फर्मा जन समाधानः उपभोक्ताओं, वितरकों,डीलरों,खुदरा विक्रेताओं के शिकायत निवारण–देखभाल के लिए एक वेब सक्षम प्रणाली।

सूचना का प्रसार

फर्मा सही दामः कोई भी आसानी से ब्रांड नाम, संरचना, अधिकतम मूल्य और जनता के लिए उपलब्ध–फॉर्मूलेशन की एमआरपी खोज सकता है।

एन.पी.पी.ए. और पीएमआरयू द्वारा आयोजित सेमिनार और कार्यशालाएं

राज्य सरकारों के साथ सहयोग

पी.एम.आर.यू.ः अधिसूचित कीमतों की निगरानी और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में एन.पी.पी.ए. की मदद करना।

दवाओं के मूल्य निर्धारण आदि के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए।

AFFORDABLE MEDICINES FOR ALL
सभी के लिए वहनीय दवाईयाँ

राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण

3री/5वीं मंजिल, वाईएमसीए सांस्कृतिक केंद्र भवन 1, जय सिंह रोड, नई दिल्ली, भारत
www.nppaindia.nic.in | हेल्पलाइन नंबरः 1800 111 255 (कार्य अवधि में पूर्वाह्न 10 बजे से सायं 6 बजे तक)

degree360solutions.com

हमें फॉलो करें : @nppa_india @india.nppa